

## कमली श्याम दी नी में कमली होई

कमली श्याम दी कमली नी में कमली श्याम दी कमली,  
रूप सलोना देख श्याम का, सुध बुध मेरी खोयी,  
नी में कमली होई॥

१, सखी पनघट पर यमुना के तट पर लेकर पहुंची मटकी,  
भूल गयी सब एक बार ही जब छवि देखि नटखट की,  
देखत ही में हुई बाँवरी उसी रूप में खोयी,  
देखत ही में हुई बाँवरी उसी रूप में खोयी,  
नी में कमली होई॥

कमली श्याम दी कमली,  
रूप सलोना देख श्याम का सुध बुध मेरी खोयी,  
नी में कमली होई कमली श्याम दी कमली॥

२, कदम के नीचे अखियाँ मीचे,  
खड़ा था नन्द का लाला,  
मुख पर हंसी हाथ में बंसी मोर मुकुट माला,  
तान सुरीली मधुर नशीली तान सुरीली मधुर नशीली तनमन दियो भिगोई,  
नी में कमली होई॥

कमली श्याम दी कमली,  
रूप सलोना देख श्याम का सुध बुध मेरी खोयी,  
नी में कमली होई कमली श्याम दी कमली॥

३, सास नन्द मुझे पल पल कोसे हर कोई देवे ताने,  
बीत रही मुझ बिरहन पर ये कोई ना जाने  
पूछे सब निर्दोष बाँवरी तट पे तू कहे गयी॥  
नी में कमली होई नी में कमली होई॥

कमली श्याम दी कमली,  
रूप सलोना देख श्याम का सुध बुध मेरी खोयी,  
नी में कमली होई कमली श्याम दी कमली॥

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/694/title/kamli-shyam-di-ni-main-kamli-hoyi>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |